



11. पाठ में आए लोकभाषा के इन संवादों को समझ कर इन्हें खड़ी बोली हिन्दी में ढाल कर प्रस्तुत कीजिए।

क. ई कउन बड़ी बात आय। रोटी बनाय जानित है, दाल राँध लेइत है, साग-भाजी छँडक सकित है, अउर बाकी का रहा।

ख. हमारे मालकिन तौ रात-दिन कितबियन माँ गड़ी रहती हैं। अब हमहूँ पढ़े लागब तो घर-गिरिस्ती कउन देखी-सुनी।

ग. ऊ बिचरिअउ तौ रात-दिन काम माँ झुकी रहती हैं, अउर तुम पचै घूमती-फिरती हौ, चलौ तनिक हाथ बटाय लेउ।

घ. तब ऊ कुच्छौ करिहैं-धरिहैं ना-बस गली-गली गाउत-बजाउत फिरिहैं।

ङ. तुम पचै का का बताईयहै पचास बरिस से संग रहित है।

च. हम कुकरी बिलारी न होयँ, हमार मन पुसाई तौ हम दूसरा के जाब नाहिं त तुम्हार पचै की छाती पै होरहा भूँजब और राज करब, समुझे रहौ।

उत्तर:- क. यह कौन बड़ी बात है। रोटी बनाना जानती हूँ। दाल बना लेती हूँ। साग-भाजी छौंक सकती हूँ और शेष क्या रहा।
ख. हमारी मालकिन तो रात दिन पुस्तकों में ही व्यस्त रहती हैं। अब यदि मैं भी पढ़ने लगूँ तो घर-परिवार के कार्य कौन करेगा।
ग. वह बेचारी तो रात-दिन काम में लगी रहती है और तुम लोग घूमते-फिरते हो। जाओ, थोड़ी उनकी सहायता करो।
घ. तब वह कुछ करता धरता नहीं होगा, बस गली-गली में गाता बजाता फिरता है।
ङ. तुम लोगों को क्या बताऊँ पचास वर्ष से साथ में रहती हूँ।
च. मैं कुतिया-बिल्ली नहीं हूँ। मेरा मन करेगा तो मैं दूसरे के घर जाऊँगी, अन्यथा तुम लोगों की छाती पर ही हौला भुनूँगी राज करूँगी-यह समझ लेना।

12. भक्तिन पाठ में पहली कन्या के दो संस्करण जैसे प्रयोग लेखिका के खास भाषाई संस्कार की पहचान कराता है, साथ ही ये प्रयोग कथ्य को संप्रेषणीय बनाने में भी मददगार हैं। वर्तमानहिंदी में भी कुछ अन्य प्रकार की शब्दावली समाहित हुई है। नीचे कुछ वाक्य दिए जा रहे हैं जिससे वक्ता की खास पसंद का पता चलता है। आप वाक्य पढ़कर बताएँ कि इनमें किन तीन विशेष प्रकार की शब्दावली का प्रयोग हुआ है? इन शब्दावलियों या इनके अतिरिक्त अन्य किन्हीं विशेष शब्दावलियों का प्रयोग करते हुए आप भी कुछ वाक्य बनाएँ और कक्षा में चर्चा करें कि ऐसे प्रयोग भाषा की समृद्धि में कहाँ तक सहायक है?

1. अरे! उससे सावधान रहना! वह नीचे से ऊपर तक वायरस से भरा हुआ है। जिस सिस्टम में जाता है उसे हँग कर देता है।
2. घबरा मत! मेरी इनस्वींगर के सामने उसके सारे वायरस घुटने टेकेंगे। अगर ज्यादा फाउल मारा तो रेड कार्ड दिखा के हमेशा के लिए पबेलियन भेज दूँगा।
3. जानी टेंसन नई लेने का वो जिस स्कूल में पढ़ता है अपन उसका हैडमास्टर है।

उत्तर:- 1. इस वाक्य में कंप्यूटर की तकनीकी भाषा का प्रयोग हुआ है। यहाँ ‘वायरस’ का अर्थ दोष, ‘सिस्टम’ का अर्थ है व्यवस्था ‘हैंग’का अर्थ है ठहरावा।

इस वाक्य का अर्थ यह है — वह पूरी तरह दूषित है। वह जहाँ भी जाता है, पूरी कार्यप्रणाली में खलल डाल देता है।

2. इस वाक्य में खेल से संबंधित शब्दावली का प्रयोग हुआ है। यहाँ ‘इनस्वींगर’ का अर्थ है — गहराई से भेदने वाली कार्यवाही, ‘फाउल’ का अर्थ गलत काम, ‘रेड कार्ड’ का अर्थ है बाहर जाने का संकेत तथा ‘पवेलियन’का अर्थ है वापिस भेजना।

इस वाक्य का अर्थ यह है — घबरा मत। जब मैं अन्दर तक मार करने वाली कार्यवाही करूँगा तो उसकी सारी हेकड़ी निकल जाएगी। अगर उसने अधिक गड़बड़ की तो उसे कानूनी दांवपेंच में फँसाकर बाहर निकाल फेंकूँगा।

3. इस वाक्य में मुंबई की भाषा का प्रयोग है। ‘जानी’ शब्द का अर्थ है कोई भी व्यक्ति, ‘टेंसन लेना’ का अर्थ है —

परवाह करना, ‘स्कूल में पढ़ना’ का अर्थ है — काम करना तथा ‘हैडमास्टर’ होना का अर्थ है — कार्य में निपुण होना।

इस वाक्य का अर्थ यह है — चिंता मत करो, वह जो काम कर रहा है, उस काम में मैं उसका उस्ताद हूँ।

***** END *****